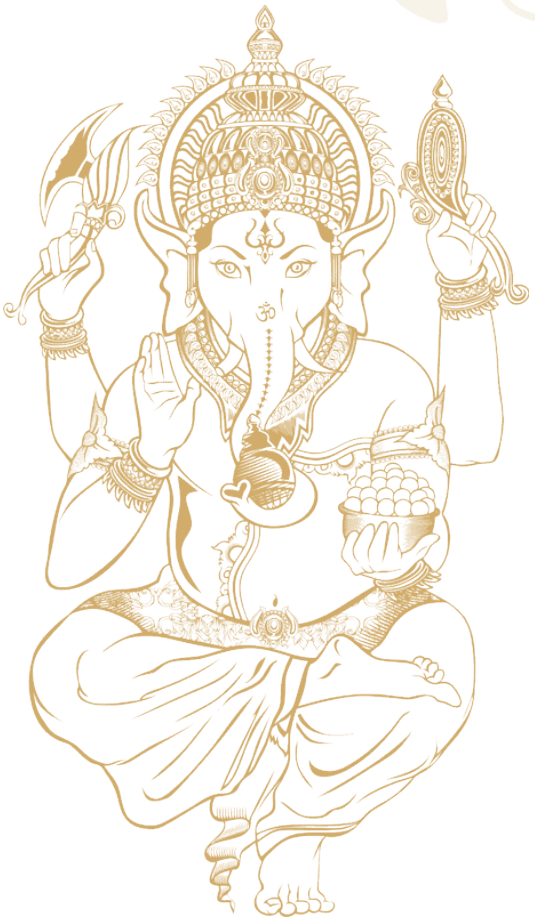

B

A

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121829808

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
1-02/05/1996	जन्म तिथि	16/06/1999
बुध-गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 01:45:00	जन्म समय	13:00:00 घंटे
घटी 49:54:59	जन्म समय(घटी)	18:34:53 घटी
India	देश	India
Bhopal	स्थान	Bhopal
23:17:00 उत्तर	अक्षांश	23:17:00 उत्तर
77:28:00 पूर्व	रेखांश	77:28:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:20:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:47:00	सूर्योदय	05:34:02
18:48:16	सूर्यास्त	19:07:23
23:48:24	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:46

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 5वर्ष 1मा 16दि	28:58:24	मक	लग्न	कन्या	09:54:56	शनि 15वर्ष 6मा 2दि
गुरु	17:54:56	मेष	सूर्य	मिथु	00:53:25	बुध
19/06/2019	26:53:47	कन्या	चंद्र	कर्क	05:47:08	17/12/2014
19/06/2035	05:30:11	मेष	मंगल	तुला	01:31:13	18/12/2031
गुरु 06/08/2021	04:38:28	वृष	बुध	मिथु	22:27:54	बुध 15/05/2017
शनि 17/02/2024	23:50:10	धनु	गुरु	मेष	04:05:48	केतु 12/05/2018
बुध 25/05/2026	28:44:59	वृष	शुक्र	कर्क	16:09:23	शुक्र 12/03/2021
केतु 01/05/2027	08:58:55	मीन	शनि	मेष	18:55:06	सूर्य 17/01/2022
शुक्र 30/12/2029	23:16:05	कन्या व	राहु व	कर्क	20:06:32	चन्द्र 18/06/2023
सूर्य 18/10/2030	23:16:05	मीन व	केतु व	मक	20:06:32	मंगल 14/06/2024
चन्द्र 17/02/2032	10:45:26	मक	हर्ष व	मक	22:41:35	राहु 02/01/2027
मंगल 23/01/2033	03:56:41	मक व	नेप व	मक	10:06:35	गुरु 09/04/2029
राहु 19/06/2035	08:29:23	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	14:50:55	शनि 18/12/2031

लग्न-चलित

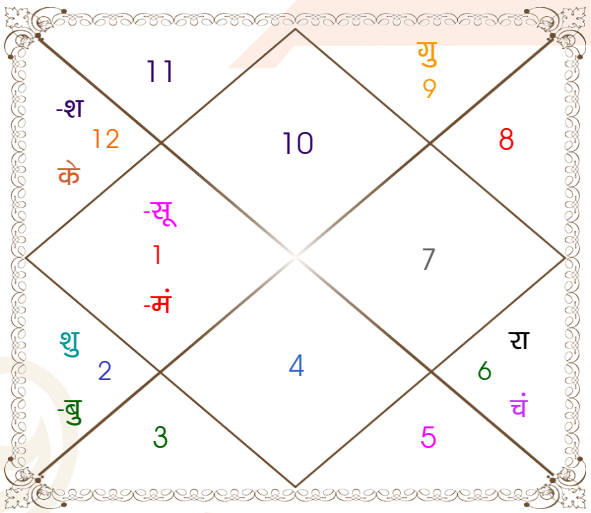

लग्न-चलित

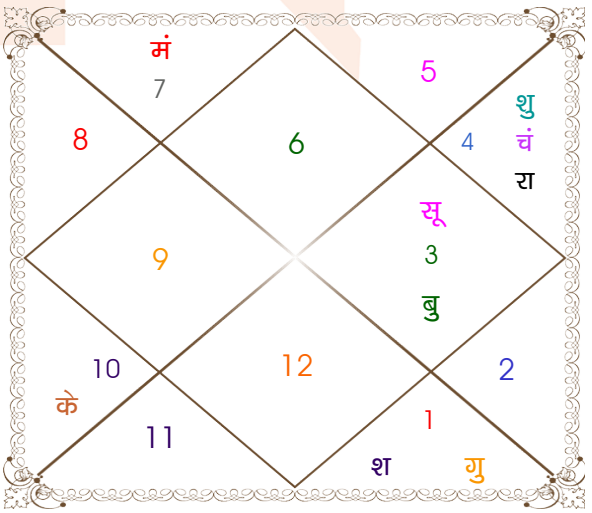

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	चन्द्र	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.50		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि A का नक्षत्र पुष्य है।

B का वर्ग मूषक है तथा A का वर्ग मेष हैA इन दोनों वर्गों में परस्पर सम हैA

अष्टकूट मिलान के अनुसार B और A का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

B मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता हैA क्योंकि मंगल B कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

A मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु A कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

B तथा A में मंगलीक मिलान ठीक हैA

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।